डिप्लोमा कर्मकाण्ड

विषय – वेद

पेपर कोड - DVP – C104 संस्कार-कर्म (b)

नोट -: प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य है। निर्देशानुसार प्रश्नों का उत्तर १५० शब्दों में दीजिए। खण्ड 'अ' – लघु उत्तरीय प्रश्न
नोट : - किन्ही पाँच प्रश्नों का उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का है – (5x6 = 30)

प्रश्न 1 – गृहस्थाश्रम के कर्त्तव्यों पर प्रकाश डालिये।

प्रश्न 2 – सन्ध्योपासना-विधि की उपयोगिता को सप्रमाण स्पष्ट कीजिये।

प्रश्न 3– पञ्चमहायज्ञों पर प्रकाश डालिये।

प्रश्न 4 – शालाकर्म पर एक टिप्पणी लिखिये।

प्रश्न 5 – संस्कार शब्द को स्पष्ट करते हुए मानव-जीवन में इसकी क्या उपयोगिता है ? स्पष्ट कीजिये।

प्रश्न 6 – विवाह शब्द को स्पष्ट करते हुए विवाहों के प्रकारों पर प्रकाश डालिये।

प्रश्न 7 – स्वागत-विधि पर सप्रमाण टिप्पणी लिखिये।

प्रश्न 8 – विवाह-काल पर टिप्पणी लिखिये।

प्रश्न 9 – मधुपर्क कब, किसे और क्यों प्रदान किया जाता है ? सप्रमाण लिखिये।

प्रश्न 10– समञ्जन्तु विश्वेदेवा: समापो हृदयानि नौ।
सं मातरिश्वा समु धाता समु देष्ट्री सधातु नौ॥ भावार्थ स्पष्ट कीजिये।

खण्ड 'ब'

॥ दीर्घ उत्तरीय प्रश्न ॥

नोट :- किन्ही चार प्रश्नों का उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है। (4×10 = 40)

प्रश्न 1 – विवाह संस्कार किसे कहते है ? इसके महत्त्व का प्रतिपादन कीजिये ।

प्रश्न 2 – गोदान-विधि तथा कन्या प्रतिग्रहण विधि के महत्त्व को स्पष्ट कीजिये ।

प्रश्न 3 – मानव-जीवन में संस्कारों की उपयोगिता पर प्रकाश डालिये।

प्रश्न 4 – वानप्रस्थ-संस्कार कब और क्यों किया जाता है ? इसके महत्त्व पर प्रकाश डालिये ।

प्रश्न 5 – संन्यास-संस्कार की श्रेष्ठता को स्पष्ट कीजिये ।

प्रश्न 6 – अन्त्येष्टि-संस्कार की विधि पर एक निबन्ध लिखिये ।

प्रश्न 7 – विवाह-संस्कार का कर्मकाण्डपरक विस्तृत विवेचन कीजिये ।

प्रश्न 8 – महर्षि दयानन्द द्वार प्रतिपादित विवाह-संस्कार की वैज्ञानिकता पर प्रकाश डालिये ।